एम.ए.एच.

एम.ए. (इतिहास)
प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य

2023-2024

एम.ए. इतिहास प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
जुलाई 2023 और जनवरी 2024 सत्रों के लिए

एम.एच.आई.-01 : प्राचीन और मध्यकालीन समाज
एम.एच.आई.-02 : आधुनिक विश्व
एम.एच.आई.-04 : भारत में राजनीतिक संरचनाएं
एम.एच.आई.-05 : भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

एम.ए. इतिहास - प्रथम वर्ष
सत्रीय कार्य
जुलाई 2023 - जनवरी 2024 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीय कार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक **विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली** को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रीय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी-बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूल्यांकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीय कार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा। सत्रीय कार्य जमा करने की निर्धारित तिथियाँ नीचे सारणी में दी गई हैं:

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2023 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2024**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2024 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2024**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक **विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों** का उत्तर लगभग **500 शब्दों** में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक **लघु श्रेणी प्रश्नों** का उत्तर लगभग **250 शब्दों** में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन** : सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन** : अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति** : जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.एच.आई.-01: प्राचीन और मध्यकालीन समाज
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-01

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-01/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023-24
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. पशुपालन खानाबदोश को परिभाषित करें। पशुपालन खानाबदोश के समाज और अर्थव्यवस्था का विश्लेषण कीजिए। **20**

2. कांस्य युगीन सभ्यताओं में व्यापार की भूमिका की चर्चा कीजिए। **20**

3. प्रारंभिक रोमन साम्राज्य की राजनीतिक संरचना की व्याख्या कीजिए। **20**

4. पश्चिम अफ्रीका की राजव्यवस्था, समाज और अर्थव्यवस्था की संक्षेप में चर्चा कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   (i) मनुष्य की उत्पत्ति

   (ii) हड़प्पा की मुहरें

   (iii) डेरियस प्रथम

   (iv) इंका सभ्यता का आर्थिक जीवन

भाग-ख

6. सामंतवाद पर प्रमुख बहसों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। **20**

7. मध्यकाल में वस्त्र निर्माण पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

8. आधुनिक विश्व में संक्रमण की अवधि के दौरान व्यापारिक गतिविधियों में आए परिवर्तनों की चर्चा कीजिए। **20**

9. मध्यकालीन यूरोप में नगरों के विकास का संक्षिप्त विवरण दीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    (i) चीन में ताओ धर्म और बौद्ध धर्म

    (ii) भारत का समुद्री व्यापार

    (iii) बंजारों

    (iv) कॉपरनिकस का योगदान

एम.एच.आई.-02: आधुनिक विश्व
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-02

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-02/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023-24
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. 'ज्ञानादेय ने अतीत से एक तीव्र विराम को चिन्हित किया'। वैज्ञानिक ज्ञान और धर्म का संदर्भ देते हुए व्याख्या कीजिए। **20**

2. आधुनिकता ने शहरीकरण और सामाजिक संरचना को कैसे प्रभावित किया? **20**

3. राष्ट्रवाद को परिभाषित कीजिए। राष्ट्रवाद पर गेलनर (Gellner) और स्मिथ (Smith) की बहस पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

4. पूंजीवाद के उदय के विभिन्न सिद्धांतों की चर्चा कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   (i) नीत्शे

   (ii) कल्याणकारी राज्य

   (iii) नौकरशाही

   (iv) अल्पविकास का अर्थ

भाग-ख

6. इतिहास के विभिन्न कालों में प्रवसन के विभिन्न कारकों की चर्चा कीजिए। **20**

7. विऔपनिवेशीकरण और गुटनिरपेक्ष आंदोलन पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

8. रूसी क्रांति की विरासत क्या थी? **20**

9. पारिस्थितिक मुद्दों के प्रति जागरूकता के उदय और पारिस्थितिक विनाश के विरुद्ध जन आंदोलनों का संक्षेप में विश्लेषण कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    (i) साम्राज्यवाद

    (ii) ज्ञान क्रांति

    (iii) आधुनिक दवाएं

    (iv) जनसांख्यिकीय परिवर्तन का माल्थसियन सिद्धांत

एम.एच.आई.-04: भारत में राजनीतिक संरचनाएं
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-04

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-04/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023-24

पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. सातवाहन राज्य पर एक नोट लिखिए। **20**

2. राजपूतों के राज्य निर्माण की प्रक्रिया की विवेचना कीजिए। **20**

3. आधुनिक इतिहासकारों ने दिल्ली सल्तनत काल के दौरान राज्य निर्माण को किस प्रकार देखा। विस्तार से वर्णन कीजिए। **20**

4. विजयनगर साम्राज्य की राज्य निर्माण की प्रकृति की चर्चा कीजिए। **20**

5. मालवा साम्राज्य के गठन पर एक नोट लिखिए। **20**

भाग-ख

6. चोलकालीन राज्य की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए। **20**

7. पाड्यकालीन राज्य के प्रशासन पर चर्चा कीजिए। **20**

8. मुगल प्रशासन की प्रकृति क्या थी? चर्चा कीजिए। **20**

9. औपनिवेशिक वन नीति की प्रकृति पर टिप्पणी कीजिए। **20**

10. औपनिवेशिक राजस्व नीति के उद्देश्य क्या थे? चर्चा कीजिए। **20**

एम.एच.आई.-05: भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-05

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-05/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023-24

पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. किस प्रकार उत्तर-1950 के दशक का प्राचीन भारतीय आर्थिक इतिहास लेखन प्रारम्भिक 20वीं शताब्दी के इतिहास लेखन से भिन्नता दर्शाता है। **20**

2. हड़प्पाई नगरों की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **20**

3. भारत में रोमन व्यापार की प्रकृति की चर्चा कीजिए। इसके दीर्घकालिक प्रभाव क्या थे? **20**

4. मध्यकाल में शिल्प उत्पादन किस प्रकार संगठित किया जाता था? **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   (i) अर्थव्यवस्था पर मौसमों का प्रभाव

   (ii) व्यापारिक श्रेणियाँ

   (iii) *परिहार* अथवा प्रतिरक्षाएँ

   (iv) *बलूतेदार*

भाग-ख

6. महासागरीय व्यापार के इतिहासलेखन का मूल्यांकन कीजिए। वान ल्यूर (Van Leur) की 'फेरीवाला व्यापार' की अवधारणा का मूल्यांकन कीजिए। **20**

7. मध्यकाल में संचार नेटवर्क के पैटर्न का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

8. निरोद्योगिकीकरण विवाद संबंधी हाल के शोधों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए। **20**

9. भारत में विज्ञान शिक्षा के प्रति औपनिवेशिक नीति की चर्चा कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **लगभग 250 शब्दों में** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    (i) मुगल तोपखाना

    (ii) स्थायी बन्दोबस्त

    (iii) औपनिवेशिक भारत में वन अर्थव्यवस्थाएँ

    (iv) वैश्वीकरण